आउटसोर्सिंग से आउटपेसिंग तक: भारत के जीसीसी के हाथों में आगामी वैश्विक क्रांति का नेतृत्व

न्यू इंडिया समाचार

भारत आज वैश्विक क्षमता केंद्रों यानी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) के संदर्भ में एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित हो गया है। मिलती-जुलती अर्थव्यवस्था वाले विश्व के अन्य देशों की तुलना में इसने बेहतर प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि आज देश में 1,800 ऐसे केंद्र काम कर रहे हैं, जो विश्व भर के जीसीसी की कुल संख्या के आधे से अधिक हैं। इस क्षेत्र में 19 लाख से अधिक लोगों को रोज़गार मिला हुआ है। वहीं इस क्षेत्र के बाजार का कारोबार बढ़कर 2022-23 में 60 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो 11.4 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है। जीसीसी के आर्थिक प्रभाव महत्वपूर्ण हैं। इसके बल पर, निवेश किए गए प्रत्येक डॉलर के लिए 3 डॉलर का लाभ मिलता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में पांच गुना अधिक रोज़गार के अवसर तैयार होते हैं। कारोबारी सुगमता, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के जोरदार समर्थन से, जीसीसी के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में भारत का उदय हुआ है, जो सचमुच एक सुव्यवस्थित रणनीति का सुखद परिणाम है। स्पाइस+ और जन विश्वास अधिनियम की शुरूआत होने से कारोबार के अनुकूल एक माहौल का पोषण हुआ है। इसके परिणामस्वरूप रियल एस्टेट, आतिथ्य, खुदरा और परिवहन के क्षेत्र में जोरदार प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इसके फलस्वरूप ये क्षेत्र संपन्न व्यापार केंद्रों के रूप में परिणत हो गए हैं।

भारत में 1,800 वैश्विक क्षमता केंद्र यानी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) केंद्र हैं, जो विश्व भर के कुल केन्द्रों की संख्या के लिहाज से आधे से अधिक हैं। यह बात स्पष्ट है कि भारत ने वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) की राजधानी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है।[1]

वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) पूरे विश्व की कंपनियों से जुड़े विभिन्न कार्यों की देखरेख करने वाले कैप्टिव हब के रूप में अनेक प्रकार की गतिविधियों के लिए काम करते हैं। इन गतिविधियों में एनालिटिक्स, प्रौद्योगिकी संबंधी समर्थन, उत्पाद विकास और नवाचार शामिल हैं।

देश में 19 लाख से अधिक लोगों को रोज़गार मिलने से वैश्विक स्तर पर उच्च-मूल्य वाली सेवाएं देने की भारत की क्षमता में उछाल आया है।

नैसकॉम-केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र के बाजार के कारोबार 2014-15 के 19.6 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2022-23 में 60 बिलियन डॉलर हो गया है, जो 11.4 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है।[2]

जीसीसी पावरहाउस वह गुणक हैं, जो निवेश किए गए प्रत्येक डॉलर के लिए 3 डॉलर का लाभ देते हैं और जीसीसी में बनाए गए प्रत्येक रोज़गार के लिए स्थानीय अर्थव्यवस्था में पांच गुना अधिक रोज़गार सृजन को बढ़ावा देते हैं।[3]

भारत ने वैश्विक क्षमता केंद्रों (जी.सी.सी.) के संदर्भ में एक प्रमुख गंतव्य के रूप में खुद को स्थापित कर लिया है। विश्व भर में अपने समकक्ष अर्थव्यवस्था वाले देशों की तुलना में इसने बेहतर प्रदर्शन किया है। यह बेजोड़ प्रतिभा और कारोबारी सुगमता प्रदान करता है। जीसीसी के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में इसका उदय महज एक संयोग नहीं है। यह एक सुव्यवस्थित रणनीति का परिणाम है, जो सफल रही है।

किस तरह केंद्र ने राष्ट्रीय विकास के अवसर का लाभ उठाया[4]

जीसीसी का तेजी से बढ़ना भारत के व्यापार-अनुकूल वातावरण को प्रदर्शित करता है। कारोबारी सुगमता, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहल जीसीसी की जरूरतों के साथ पूरी तरह से तालमेल रखती हैं। देश की डिजिटल दक्षता में भी वृद्धि हुई है।

कारोबारी सुगमता

- स्पाइस+ (इलेक्ट्रॉनिक रूप से कंपनी को शामिल करने के लिए सरलीकृत प्रोफॉर्मा) की शुरूआत ने कंपनी के पंजीकरण की प्रक्रिया को आसान बना दिया है। इससे काम में कम मेहनत और कम समय लगता है।[5]
- 2024 में, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम की शुरूआत ने अनुपालन संबंधी अत्यधिक बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- इस अधिनियम ने 19 मंत्रालयों द्वारा प्रबंधित 42 केंद्रीय अधिनियमों में 183 प्रावधानों को अपराधमुक्त कर दिया, जिससे उद्यमियों के लिए नियमों को सरल बनाकर व्यापार-अनुकूल वातावरण को और भी अधिक बढ़ावा मिला।[6]

मेक इन इंडिया

- जीसीसी को भारत की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीतियों से लाभ मिला है, जो कई क्षेत्रों में शत-प्रतिशत विदेशी स्वामित्व को स्वतंत्र रूप से निवेश करने और संचालन करने की अनुमति देता है।
- विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) और प्रौद्योगिकी पार्कों की

"भारत के जीसीसी न केवल संख्या में बढ़ रहे हैं, बल्कि जटिलता और रणनीतिक महत्व के संदर्भ में भी आगे बढ़ रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में, इनमें से आधे से अधिक केंद्र पारंपरिक सेवा की भूमिकाओं से आगे बढ़कर पोर्टफोलियो और परिवर्तन केंद्रों के रूप में काम करने लगे हैं, जो उच्च प्रभाव वाले कार्यों के व्यापक दायरे को एकीकृत करते हैं।"[10]

– नैसकॉम का श्वेत पत्र

नवंबर 2024

स्थापना ने कंपनियों को कर छूट से लाभ उठाने की अनुमति दी है, जैसे कि पहले पांच वर्षों के लिए निर्यात लाभ पर शत-प्रतिशत आयकर छूट, जिससे लागत में अधिक से अधिक कमी हो रही है।

डिजिटल इंडिया

- स्किल इंडिया डिजिटल को 2023 में केंद्र और राज्य के संयुक्त प्रयासों के समन्वय के लिए प्रस्तुत किया गया था। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि भारतीय युवाओं को भविष्य के लिए तैयार किए जाने वाले कौशल प्रदान किए जाएं।
- डिजिटल कौशल में प्रशिक्षण को उन्नत करने के लिए निजी संगठनों और उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ साझेदारी।
- एआई इकोसिस्टम को उन्नत करने के लिए मंत्रालय स्तर पर कार्य किया गया, जिससे पहलों में और तेजी आई।

नियामक छूट, प्रोत्साहन और प्रचुर कुशल कार्यबल के इस संयोजन ने भारत को प्रतिस्पर्धियों के खेल में आगे रहने में सक्षम बनाया है।

भारत प्रतिस्पर्धात्मकता और लागत लाभ से परे मूल्य वितरण के लिए पसंदीदा

यह हमें उस दशक में ले गया है जहां जीसीसी का प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भारत में अधिक स्पष्ट रहा है। वे मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने की क्षमता रखते हैं और तेजी से नवाचार केंद्रों और उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) में परिवर्तित हो रहे हैं, जो अनुसंधान एवं विकास और बौद्धिक संपदा के निर्माण जैसे उच्च-मूल्य वाले कार्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इस प्रतिस्पर्धात्मक लाभ ने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी पारिश्रमिक को सक्षम किया। जीसीसी लागत केंद्रों से लाभ केंद्रों में परिवर्तित हो रहे हैं।

रणनीतिक भौगोलिक विस्तार सुगम बना

अहमदाबाद, कोच्चि, विशाखपट्टणम, जयपुर और कोयंबटूर जैसे कई टियर 2 और 3 शहर, बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अपने जीसीसी स्थापित करने के क्रम में आदर्श गंतव्य के रूप में उभरे हैं। इन शहरों ने विश्व भर की कंपनियों के लिए परिचालन की लागत को घटाने से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा किया। गुणवत्तापूर्ण, विविध टैलेंट पूल का लाभ उठाने के अवसर ने और अधिक लाभ जोड़े।

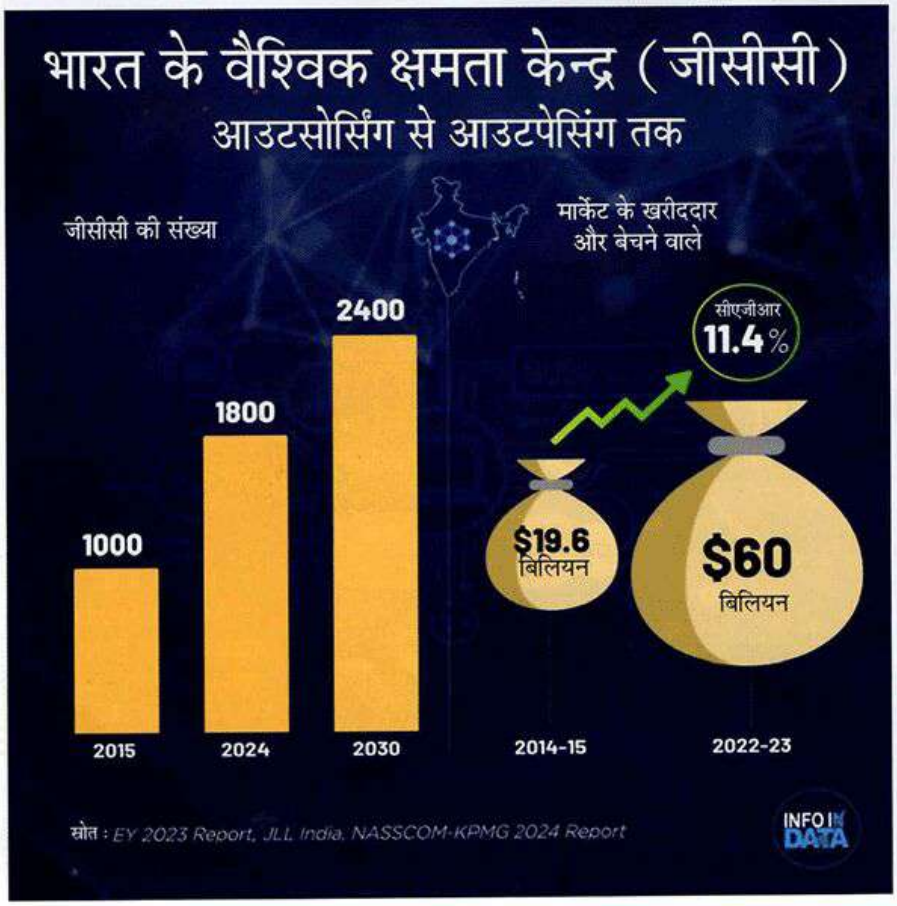

यह दोनों पक्षों के लिए लाभदायक स्थिति थी। इस कदम से इन शहरों में स्थानीय आर्थिक विकास को गति मिली, वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ी और नवाचार तथा विकास के लिए एक सशक्त इको-सिस्टम का निर्माण हुआ।

प्रतियोगिता में आगे7

भारत इस प्रतियोगिता में मलेशिया, वियतनाम और फिलीपींस जैसे अनेक देशों से आगे है, क्योंकि:

- भारत एक मजबूत और परिपूर्ण जीसीसी इकोसिस्टम के बल पर आगे है, जबकि मलेशिया, वियतनाम और फिलीपींस अभी भी विकास के विभिन्न चरणों में हैं।
- उच्च गति वाले इंटरनेट और कार्यालय के अत्याधुनिक स्थानों सहित उन्नत भौतिक और

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, भारत जीसीसी की जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

- मलेशिया और वियतनाम का एकमात्र लाभ प्रतिस्पर्धी श्रम लागत तक सीमित है।
- फिलीपींस बीपीओ सेवाएं प्रदान करने से ऊपर नहीं उठ पाया है।
- भारत की तुलना में मलेशिया और वियतनाम प्रतिभा उत्पादन के साथ संघर्ष करते हैं।[8]

इस उछाल ने रियल एस्टेट, आतिथ्य, खुदरा और परिवहन के क्षेत्र में वृद्धि को बढ़ावा दिया है। इससे ये क्षेत्र व्यापार के समृद्ध केंद्रों में परिणत हो गए हैं। स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोग ने जीसीसी को स्थानीय इकोसिस्टम में और अधिक एकीकृत किया है, जिससे नवाचार और सामंजस्यपूर्ण संचालन को बढ़ावा मिला है। प्रतिभा की उपलब्धता, लागत लाभ और एक समर्थक इकोसिस्टम द्वारा संचालित तेजी से स्थापित होने वाली दर ने इसके प्रभुत्व को सशक्त किया।

संदर्भ

1. https://economictimes.indiatimes.com/industry/services/property-/-cstruction/india-dominates-gcc-market-now-home-to-1800-centres-across-240-million-sq-ft/articleshow/114499480.cms ?from=mdr, https://www.thehindubusinessline.com/companies/indias-gcc-sector-to-exceed-22-million-workforce-by-2026-shifting-focus-to-tier-ii-and-iii-cities/article68935127.ece
2. https://economictimes.indiatimes.com/jobs/hr-policies-trends/global-capability-centres-transforming-indias-job-market/articleshow/112583269.cms ?from=mdr
3. https://community.nasscom.in/communities/global-capability-centers/indias-success-bolstered-global-capability-centers,https://www.businesstoday.in/opinion/columns/story/india-for-the-world-the-gcc-way-437939-2024-07-20
4. https://assets.kpmg.com/content/dam/kpmg/in/pdf/2024/05/gccs-in-india-building-resilience-for-sustainable-growth.pdf
5. https://www.investindia.gov.in/team-india-blogs/business-friendly-reforms-indias-path-prosperity
6. https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx ?PRID=2004714
7. https://www.spag.asia/news-insights/india-gcc-landscape-decoded-the-5-year-report-by-nasscom-zinnov/
8. https://zinnov.com/centers-of-excellence/why-set-up-global-capability-centers-in-india-blog/
9. https://economictimes.indiatimes.com/tech/information-tech/india-inc-too-riding-gcc-wave/articleshow/114261034.cms
10. https://community.nasscom.in/communities/global-capability-centers/whitepaper-indias-gcc-landscape

प्रकाशन विभाग के विक्रय केंद्र			
नई दिल्ली	पुस्तक दीर्घा, सूचना भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड	110003	011-24367260
पुणे	ग्राउंड फ्लोर, कैरियर बिल्डिंग, महादाजी शिंदे, बीएसएनएल, टीई कंपाउंड, क्लब के पास, कैंप	411001	
कोलकाता	8,एस्प्लेनेड ईस्ट	700069	033-22488030
चेन्नई	'ए' विंग, राजाजी भवन, बेसेंट नगर	600090	044-24917673
तिरुवनंतपुरम	प्रेस रोड, गवर्नमेंट प्रेस के निकट	695001	0471-2330650
हैदराबाद	कमरा सं 204, दूसरा तल, सीजीओ टावर, कवाड़ीगुड़ा, सिकंदराबाद	500080	040-27535383
बेंगलुरू	फर्स्ट फ्लोर, 'एफ' विंग, केंद्रीय सदन, कोरामंगला	560034	080-25537244
पटना	बिहार राज्य कोऑपरेटिव बैंक भवन, अशोक राजपथ	800004	0612-2675823
लखनऊ	हॉल सं-1, दूसरा तल, केंद्रीय भवन, सेक्टर-एच, अलीगंज	226024	0522-2325455
गुजरात	4-सी, नेप्च्यून टावर, चौथी मंजिल, आश्रम रोड, अहमदाबाद	380009	079-26588669
गुवाहाटी	असम खादीएंड विल्लेज इंडस्ट्रीज बोर्ड कॉम्प्लेक्स, पो.-सिल्पुखुरी, चांदमारी	781003	0361-4083136